www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 205 | जौनपुर शुक्रवार, 13 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उत्तम नगर में आग का कहर, 400 झुग्गियां राख

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तम नगर के मटियाला इलाके में बुधवार देर रात एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसने देखते ही देखते इलाके की करीब 400 झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें दूर–दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 11 बजे मटियाला की मच्छी मार्किट के पास बनी झुग्गियों में अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी तेज थी कि उसकी लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दे रहा था और आसमान लाल नजर आने लगा। आसपास रहने वाले लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले कुछ झुग्गियों से धुआं उठता दिखाई दिया, लेकिन थोड़ी ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। झुग्गियां एक–दूसरे के काफी करीब होने के कारण आग ने तेजी से कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत झुग्गियों से बाहर निकलना शुरू कर दिया। कई लोग अपने जरूरी सामान भी नहीं निकाल पाए और देखते ही देखते सब जलकर राख हो गया।आग लगने की सूचना रात 11 बजकर 54 मिनट पर फायर कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचनी शुरू हो गईं।

दांडी सत्याग्रह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक निर्णायक मोड़ – उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महात्मा गांधी द्वारा 12 मार्च 1930 को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए निकाली गई श्दांडी नमक सत्याग्रहश की वर्षगांठ पूरे देश में मनाई जा रही है। जगह–जगह विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर महात्मा गांधी को याद किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी इस मौके पर महात्मा गांधी को याद करते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा है, ष्महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1930 में इसी दिन शुरू हुआ ऐतिहासिक दांडी सत्याग्रह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक निर्णायक मोड़ था, जिसने सत्य और अहिंसा के आदर्शों के माध्यम से राष्ट्रव्यापी आत्मनिर्भरता की भावना को प्रेरित किया। मैं बापू और इस ऐतिहासिक मार्च में भाग लेने वाले सभी वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं। जैसे–जैसे हम आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर रहे हैं और विकसित भारत के सपने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस आंदोलन द्वारा प्रेरित आत्मनिर्भरता की भावना हमारे राष्ट्र के मार्ग का मार्गदर्शन करती रहेगी। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट में लिखा, 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा साबरमती से दांडी तक आरंभ किया गया दांडी मार्च भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक अत्यंत गौरवपूर्ण अध्याय है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त जारी किया, 9.32 करोड़ किसानों को सीधा लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त के रूप में देश के 9.32 करोड़ किसानों के खातों में 18,640 करोड़ की राशि सीधे तौर पर हस्तांतरित करेंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह जानकारी गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों को दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत सरकार की कृषि के क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत अब अनाज की कमी वाले देश से निकलकर एक वैश्विक शक्ति बन गया है और ये साकार हुआ है सरकार की नीति और किसानों कि मेहनत के कारण। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि 2014 के कुल खाद्यान्न उत्पादन 252 मिलियन टन के मुकाबले आज देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 357 मिलियन टन हो गया है। बागवानी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 277 मिलियन टन से बढ़कर 369 मिलियन टन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि दाल उत्पादन में आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। सरकार तुअर, मसूर और उड़द जैसी दालों की रिकॉर्ड खरीदारी कर रही है। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की सहायता के लिए सरकार ने "भारत विस्तार" नामक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म का पहला चरण लॉन्च किया है। इसके माध्यम से किसान केवल एक फोन कॉल के जरिए अपनी स्थानीय भाषा में खेती से जुड़ी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। पिछले वर्षों में हमने एमएसपी गेहूं, धन कपास तिलहन और दलहन की रिकार्ड खरीदी की है और किसानों को सस्ते दामों पर खाद खरीदना सुनिश्चित किया है। इस दौरान, केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि 2014 में जो कृषि ऋण 8 लाख 45 हजार करोड़ था, वह अब बढ़कर ध्28 लाख 69 हजार करोड़ हो गया है। फसल बीमा योजना के तहत किसानों के खातों में लगभग 2 लाख करोड़ की क्लेम राशि जमा की गई है।

राजनाथ सिंह आज लखनऊ दौरे पर पहुंचेंगे, ग्रीन कॉरिडोर के उद्घाटन समेत कई कार्यक्रमों लेंगे हिस्सा

लखनऊ, संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज यानी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पहुंचेंगे। इस दौरान आधिकारिक बैठकों में भाग लेने के साथ कई निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। लखनऊ भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री 12 मार्च को लगभग रात 8रू00 बजे लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। हवाई अड्डे से निकलने के बाद एक पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होंगे।भाजपा की ओर से जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार, शुक्रवार को राजनाथ सिंह लगभग सुबह 11:30 बजे सीएमएस गोल्फ सिटी, सेक्टर सी, पॉकेट 9 पहुंचेंगे। यहां सिटी मोंटेसरी स्कूल की गोल्फ सिटी शाखा का उद्घाटन करेंगे।दो दिवसीय यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री शहर के कई राजनीतिक नेताओं और सार्वजनिक जीवन से जुड़े परिवारों से भी मुलाकात करेंगे। वह राजजीपुरम स्थित विधायक योगेश शुक्ला और बाद में राजेंद्र नगर स्थित विधायक विंध्यवासिनी कुमार के आवास पर भी जाएंगे।राजनीति राजनाथ सिंह शुक्रवार को शहर में ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के उद्घाटन से संबंधित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। रक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शाम लगभग 4:30 बजे समतमुल्क चौक पर आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के बाद सिंह समतमुल्क चौक से डालीगंज पुल तक ग्रीन कॉरिडोर के हिस्से का निरीक्षण करेंगे। परियोजना से जुड़े कर्मचारियों को उनके कार्यों के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।निरीक्षण पूरा करने के बाद रक्षा मंत्री शाम लगभग 5:00 बजे हसनगंज स्थित झूलेलाल वाटिका में आयोजित होने वाली एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर का राहुल गांधी पर तंज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भागने के लिए बने होते हैं, भाग लेने के लिए नहीं। भाजपा सांसद का इशारा इस ओर था कि जब भी सदन में कुछ महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होती है तो राहुल गांधी सदन से बाहर चले जाते हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का बर्ताव सदन के बाहर और अंदर भी देखा है। मुझे लगता है कि राहुल गांधी के लिए कोई नियम नहीं है। इनका आचरण कहीं से भी स्वीकार करने योग्य नहीं है। झूठ कहना तो इनकी फितरत है। कहते हैं कि सदन के अंदर बोलने नहीं दिया जाता है। जब राहुल गांधी को नियमानुसार समय मिलता है तो वह भाग जाते हैं। कुछ लोग भागने के लिए बने हैं, भाग लेने के लिए नहीं।भाजपा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि सदन का समय बर्बाद करना कांग्रेस का बस इतना काम रह गया है। इनके पास कोई तथ्य नहीं है। जिस मुद्दे को उठाते हैं, उस पर खुद अपने मुंह के बल गिर जाते हैं। यह सारी डिबेट लोगों के बीच में जा रही है। आप लोकसभा स्पीकर को हटा नहीं सकते हैं, इसका मतलब है कि संसद प्रणाली को ठप करने के लिए लगे रहेंगे।

अमित शाह ने 10 हजार करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।अमित शाह इस दौरान वे राज्य को करीब 10 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के मुताबिक प्रधानमंत्री गुवाहाटी, कोकराझार और सिलचर में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और बड़ी जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे को राज्य के विकास और राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के इस दौरे में कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत और शिलान्यास शामिल है। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इस दौरान चाय बागान के मजदूरों को भूमि अधिकार प्रमाणपत्र देने का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। बताया जा रहा है कि कई परिवार पिछले लगभग 200 वर्षों से जमीन के औपचारिक स्वामित्व का इंतजार कर रहे थे। प्रधानमंत्री 13 मार्च को गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में पीएम किसान योजना की अगली किस्त जारी करेंगे। इस योजना के तहत देशभर के करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री राज्य के अलग–अलग हिस्सों में जनसभाओं को संबोधित कर विकास योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। प्रधानमंत्री 14 मार्च को सिलचर में सिलचर–शिलांग–गुवाहाटी एक्सप्रेसवे परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना करीब 22 हजार करोड़ रुपये की बताई जा रही है। इसके अलावा 150 मेगावाट की कॉपिली हाइड्रो पावर परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में बिजली उत्पादन बढ़ेगा और विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री के दौरे का एक अहम हिस्सा चाय बागान मजदूरों को भूमि अधिकार प्रमाणपत्र यानी पट्टा देना होगा। इससे उन परिवारों को जमीन का कानूनी अधिकार मिलेगा जो लंबे समय से इन बागानों में काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड में सीएम धामी के निर्देश पर खाद्य और रसद व्यवस्था की निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

उत्तराखंड, (एजेंसी)। वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड सरकार ने खाद्य और रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में विभिन्न अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है। राज्य सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था व वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही खाद्य और रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण व विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी और विशेषज्ञ उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य और रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे। वे आवश्यक सूचनाओं का संकलन और विश्लेषण करेंगे व आवश्यकता पड़ने पर खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी व अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए और स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य व आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

महाराष्ट्र दुनिया की 30वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना, सीएम फडणवीस का बड़ा दावा

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयां छू रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि महाराष्ट्र अब दुनिया की 30वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि महाराष्ट्र एक स्वतंत्र देश होता, तो इसकी अर्थव्यवस्था ऑस्ट्रिया, थाईलैंड, नार्वे, फिलीपीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों से भी बड़ी होती। मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य की विकास दर 7.9: है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। वर्ष 2013–14 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग 16 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले दस वर्षों में बढ़कर 51 लाख करोड़ रुपये (करीब 660 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया है। फडणवीस ने विश्वास जताया कि अगले दो–तीन वर्षों में महाराष्ट्र संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर को भी पीछे छोड़ देगा। राज्य के कर्ज पर स्थिति स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में 51 लाख करोड़ रुपये की आय के मुकाबले कर्ज 9.32 लाख करोड़ रुपये है। आय के अनुपात में कर्ज का स्तर 18.2 फीसदी है, जो पूरी तरह स्वीकार्य मानकों के भीतर है। लाडकी बहिन और मुफ्त बिजली जैसी जन कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद राजकोषीय घाटे को 2.78 फीसदी तक सीमित रखा गया है। देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 14.9 फीसदी के साथ सर्वाधिक योगदान दे रहा है। फडणवीस ने लक्ष्य निर्धारित किया कि वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर लेगी। इसके लिए बुनियादी ढांचे और निवेश पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

श्रद्धालु की तबीयत खराब होने से रास्ते मे मौत

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। बेंगलुरु से प्रभु श्री राम का दर्शन करने आ रहे एक श्रद्धालु की तबीयत भरतकुंड के पास अचानक खराब हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से उनके परिजनों ने उक्त श्रद्धालु को बीकापुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।जिसके चलते उक्त श्रद्धालु की प्रभु श्री राम के दर्शन करने की इच्छा अधूरी ही रह गई।बेंगलुरु से 69 वर्षीय श्रद्धालु सीवी राघव अपने परिवार के साथ राम नगरी प्रभु श्रीराम का दर्शन पूजन करने आ रहे थे।इससे पहले उन्होंने वाराणसी मे दर्शन पूजन किया था उसके बाद वे वाराणसी से अयोध्या आ रहे थे।जब वे भरतकुंड के पास पहुँचे तभी उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।जिसके बाद परिजन उन्हें बीकापुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। सीएचसी बीकापुर में इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. संत कुमार मौर्य ने जांच के बाद सीवी राघव को मृत घोषित कर दिया।डॉक्टर ने मेमो के जरिए घटना की सूचना बीकापुर कोतवाली पुलिस को दी। मौत की खबर सुनकर परिवार में शोक छा गया।परिजनों ने शुरू में पोस्टमार्टम न कराने की इच्छा व्यक्त की और शव को निजी एंबुलेंस से बेंगलुरु ले जाने की बात कही। हालांकि, सूचना मिलने के बाद पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी। इस संबंध मे बीकापुर कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि इस बात की जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक विनय कुमार सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजा गया। जिसको लेकर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पडताल मे जुट गई।बताया कि विधिक प्रक्रिया के तहत शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे हार्ट अटैक आने से श्रदालु की मौत हो गई।

गैस संकट पर राज्य सरकार सतर्क, घबराने की जरूरत नहीं : ममता बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रसोई गैस की संभावित किल्लत को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को प्रमुख तेल विपणन कंपनियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर हालात की समीक्षा की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि उन्होंने गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल भी उठाए और कहा कि इसकी पूरी व्यवस्था केंद्र के नियंत्रण में है, इसलिए पहले से बेहतर योजना और निगरानी तंत्र होना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से यह खबर फैलने के बाद कि गैस सिलिंडर खत्म होने पर नया सिलेंडर मिलने में करीब 25 दिन का समय लग सकता है, लोगों में अचानक चिंता बढ़ गई। इसके कारण गैस बुकिंग की संख्या भी तेजी से बढ़ी और सामान्यतः दो लाख के आसपास रहने वाली बुकिंग एक झटके में छह लाख तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि कई उपभोक्ताओं को सर्वर खराब होने के कारण भी बुकिंग में दिक्कत हुई, जिसे तुरंत ठीक करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन समेत प्रमुख तेल कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सही जानकारी देने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी, ताकि रोजाना स्थिति की स्पष्ट जानकारी दी जा सके और अफवाहों पर रोक लगे। ममता बनर्जी ने तेल कंपनियों से यह भी अनुरोध किया कि हालात सामान्य होने तक हल्दिया, कल्याणी और दुर्गापुर में रिफाइन की जाने वाली गैस को राज्य के बाहर न भेजा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि मिड–डे मील, आंगनवाड़ी (आईसीडीएस) केंद्रों, अस्पतालों और छात्रावासों में गैस की आपूर्ति किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो। आम घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की भी बात कही गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के पास केवल एक सिलेंडर है और जिनका गैस खत्म हो गया है या खत्म होने वाला है।

संपादकीय

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका– इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों। उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच श्छोटी और निर्णायकश्य लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है। इससे विश्व स्तर पर ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। उसके गहरे वित्तीय एवं आर्थिक परिणामों की आशंका मंडराने लगी है।

कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे–धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब–डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्टश्य सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है दृ श्कैरियर पिजन सर्विसश्य। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है। कैरियर पिजनश्य या श्होमिंग पिजनश्य का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर–दर–शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में श्पिजन नेटवर्कश्य स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से श्पिजन पोस्टश्य शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में श्कैरियर पिजनोंश्य ने जान भी बचाई, फ्रांस में श्चेर आमीश्य नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए श्पिजन सर्विसश्य चली आ रही थी। लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे–धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब–डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्टश्य सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब–इंस्पेक्टर, एक सहायक सब–इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976–77 के चुनावों और 1982 के श्फ्लैश फ्लड्सश्य में जब सड़कें–ब्रिज बह गए और वायरलेस–टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए। सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक श्कैरियर पिजनश्य उड़ा। ठीक 11रू20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की श्पिजन सर्विसश्य की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है। 1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के श्सुपर साइक्लोनश्य में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400–500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। श्बेल्जियन होमरश्य नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं। 2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो श्लॉफ्टश्य अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 श्बेल्जियन होमर पिजनश्य और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की। आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, ष्यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है।

वेनेजुएला–ईरान के बाद अब इस देश से अमेरिका करेगा 64 साल पुराना हिसाब बराबर

अभिनय

मिडिल ईस्ट के युद्ध का आज तेरहवां दिन है। लेकिन 2026 ऐसा साल बन चुका है जहाँ एक संकट खत्म नहीं होता कि दूसरा सामने खड़ा मिल जाता है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अगला मोर्चा क्यूबा बनने वाला है? डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। ट्रंप इसे "फ्रेंडली टेकओवर" यानी शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन बता रहे हैं। लेकिन जमीन पर जो हालात बन रहे हैं, वो किसी भी तरह से शांतिपूर्ण नहीं दिखते। जनवरी से अमेरिका ने क्यूबा पर जो आर्थिक घेराबंदी शुरू की है, उसका असर अब साफ दिखने लगा है। पिछले महीने एक चौंकाने वाली बात सामने आई। क्यूबा को एक भी बैरल तेल नहीं मिला। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कई हवाई जहाज क्यूबा में उतरने से बच रहे हैं, क्योंकि वहाँ उन्हें वापस उड़ान भरने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा। अस्पतालों ने भी मजबूरी में गैर–जरूरी ऑपरेशन और इलाज रोक दिए हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा सवाल भी है। पिछले 50 सालों से बार–बार कहा गया कि क्यूबा की सरकार गिरने वाली है, लेकिन हर बार यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई। अब जब अमेरिका पहले से ही मिडिल ईस्ट के युद्ध में उलझा हुआ है, तो क्या वाकई वह क्यूबा में नया सैन्य मोर्चा खोल सकता है? आज हम अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों का एमआरआई स्कैन करेंगे। ये कब बिगड़ने शुरू हुए, क्या ये हमेशा से ऐसे थे? मौजूदा स्थिति क्या है? जनवरी में जब क्यूबा की स्थिति पर चर्चा हुई थी, तब मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी से जुड़ा था। उस समय भी क्यूबा की हालत बहुत खराब थी। रोज लंबे ब्लैकआउट, चरमराती अर्थव्यवस्था और कई बार पूरे देश का बिजली ग्रिड गिर जाना। सरकार हर बार किसी तरह अस्थायी मरम्मत करके स्थिति संभाल रही थी। लेकिन असली झटका तब लगा जब वेनेजुएला से आने वाला तेल बंद हो गया। यहीं से क्यूबा की ऊर्जा संकट की असली शुरुआत हुई। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल मैक्सिको क्यूबा का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका की रणनीति साफ दिख रही है। क्यूबा के पास आने वाला हर डॉलर, हर बैरल तेल और हर रास्ता बंद कर देना। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के एकलौते राष्ट्रपति नहीं हैं जो क्यूबा पर सख्त हो रहे हैं। क्यूबा और अमेरिका के बीच की दुश्मनी कई दशकों पुरानी है। 1898 में अमेरिका ने स्पेन को हराया। जिसके बाद स्पेन ने क्यूबा पर अपने सभी दावों को छोड़ दिया। इसे अमेरिका को सौंप दिया। साल 1902 में क्यूबा स्वतंत्र हुआ और टॉमस इस्ट्राडा पाल्मा इसके पहले राष्ट्रपति बने। लेकिव प्लैट संशोधन के कारण द्वीप अमेरिकी संरक्षण में रहा और इसके कारण अमेरिका को क्यूबाई मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार मिला। कुछ साल बाद क्यूबा की राजनीति फिर उथल–पुथल में फँस गई। राष्ट्रपति इस्ट्राडा को इस्तीफा देना पड़ा और होजे मिगुएल गोमेज के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद अमेरिका ने क्यूबा में हस्तक्षेप कर दिया। इसके बाद 1909 में अमेरिका की निगरानी में चुनाव कराए गए, जिनमें होजे मिगुएल गोमेज राष्ट्रपति बने। लेकिन उनका कार्यकाल भी विवादों से घिर गया और उन पर जल्द ही भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे। 1912 में जब क्यूबा में नस्लीय भेदभाव के खिलाफ अश्वेत समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू किए, तो हालात संभालने के लिए अमेरिकी सेना एक बार फिर क्यूबा में उतरी और आंदोलन को दबाने में मदद की। इसके कुछ साल बाद, 1933 में क्यूबा की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आया। सेना के अफसर फुलगेन्सियो बतिस्ता के नेतृत्व में तख्तापलट हुआ और तत्कालीन राष्ट्रपति जेरार्डो मचाडो को सत्ता से हटा दिया गया। बतिस्ता का शासन लंबे समय तक चला, लेकिन इसके खिलाफ असंतोष बढ़ता गया। 1953 में फिदेल कास्त्रो ने बतिस्ता सरकार के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत की, हालांकि यह पहली कोशिश सफल नहीं हो पाई। विदेश नीति के विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और क्यूबा के बीच असली टकराव की शुरुआत 1959 में हुई। उसी साल फिदेल कास्त्रो की क्रांति सफल हुई और उन्होंने अमेरिका समर्थित सरकार को सत्ता से हटा दिया। शुरुआत में अमेरिका ने कास्त्रो की नई सरकार को स्वीकार कर लिया था। लेकिन हालात तब बदलने लगे जब क्यूबा ने अमेरिका के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी सोवियत संघ से रिश्ते मजबूत करने शुरू किए और उसके साथ व्यापार बढ़ाया। इसके साथ ही क्यूबा सरकार ने अमेरिकी कंपनियों की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया और अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैक्स लगा दिया। यहीं से दोनों देशों के रिश्तों में गहरी दरार पड़ गई और अमेरिका–क्यूबा दुश्मनी की नींव मजबूत हो गई। 1961 में अमेरिका ने क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की सरकार गिराने के लिए एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया। इस ऑपरेशन को इतिहास में "बे ऑफ पिग्स इनवेजन" के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने कास्त्रो सरकार के विरोध में मौजूद क्यूबाई विद्रोहियों और निर्वासित लोगों को सैन्य प्रशिक्षण, हथियार और आर्थिक मदद दी। योजना यह थी कि ये विद्रोही क्यूबा में हमला करेंगे और जनता का समर्थन मिलते ही कास्त्रो की सरकार गिर जाएगी। लेकिन यह योजना पूरी तरह फेल हो गई। इस असफलता की एक बड़ी वजह यह भी थी कि अमेरिका की ओर से वादा की गई हवाई सहायता समय पर नहीं पहुंच सकी। उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी थे और इस नाकामी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की छवि को बड़ा झटका लगा। इस घटना के बाद क्यूबा ने अपनी सुरक्षा के लिए सोवियत संघ से नजदीकियां और बढ़ा लीं। सोवियत संघ को क्यूबा में गुप्त रूप से परमाणु मिसाइलें तैनात करने की

अनुमति दे दी गई। अक्टूबर 1962 में अमेरिकी जासूसी विमानों ने इन मिसाइलों का पता लगा लिया। इसके बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव अचानक बहुत बढ़ गया और दुनिया परमाणु युद्ध के बेहद करीब पहुंच गई। करीब 13 दिनों तक चले इस संकट के बाद आखिरकार सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव ने क्यूबा से मिसाइलें हटाने पर सहमति दे दी। क्यूबा के आम लोगों ने विद्रोहियों का साथ नहीं दिया और कास्त्रो की सेना ने बेहद तेजी से जवाबी कार्रवाई की। सिर्फ तीन दिनों के भीतर ही इस पूरे अभियान को कुचल दिया गया। इसके बदले में अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी ने क्यूबा पर हमला न करने का वादा किया और साथ ही तुर्की में तैनात अमेरिकी मिसाइलें हटाने पर भी सहमति दी। पेटागन की बेस स्ट्रक्चर रिपोर्ट और कुछ स्वतंत्र सैन्य विशेषज्ञों के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी सैन्य नेटवर्क है। पेंटागन आधिकारिक तौर पर केवल प्रमुख चेसों की गिनती बताता है। इनकी संख्या करीब 200 के आसपास हो सकती है। लेकिन यदि छोटे पैड्स और लॉजिस्टिक ठिकानों को जोड़ लिया जाए तो विदेशों में यह संख्या 600 के पार पहुंच जाती है। ये बेस दुनिया के लगभग 80 देशों और क्षेत्रों में फैले हुए हैं। सबसे ज्यादा बेस जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया में हैं। क्यूबा की सेना से जुड़ी कंपनियों के साथ व्यापार पर रोक लगा दी गई, अमेरिकी नागरिकों के अकेले क्यूबा यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, और क्रूज जहाजों के साथ–साथ ज्यादातर उड़ानों को भी बंद कर दिया गया। 2019 में ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा को फिर से आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित कर दिया।

मोजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता बनाना ईरानी नेतृत्व की निरन्तरता का संकेत

असद

ईरान के लोगों के लिए किसी सरकार का श्कड़वा अंतश शायद उनकी तकलीफ का आखिरी काम न हो, बल्कि श्कभी न खत्म होने वाली कड़वाहटश के एक नए, मजबूती से जमे हुए दौर का पहला पाठ हो सकता है, जो आने वाले कई दशकों तक इस इलाके को परेशान कर सकता है। जहां तक ईरान में ज्यादातर शिया और कम संख्या वाले सुन्नियों के बीच दिख रही दरारों का सवाल है, तो यह भी मुमकिन नहीं लगता। ईरान ने 9 मार्च को मोजतबा खामेनेई को उनके पिता आयतुल्ला अली खामेनेई की जगह ईरान का सर्वोच्च नेता बनाने का ऐलान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि कट्टरपंथी मजबूती से सत्ता में बने हुए हैं। ईरानी संस्थाओं और राजनेताओं, विदेश मंत्रालय से लेकर सांसदों तक, ने देश के नए सर्वोच्च नेता के प्रति अपनी वफादारी जताते हुए बयान जारी किए, जबकि युद्ध अपने 10वें दिन में पहुंच गया और पूरे मध्य पूर्व में नए मिसाइल और ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई दी। इसका नतीजा यह भी हुआ है कि पश्चिमी देश ईरान में मौजूदा शासन को उखाड़ फेंकने में नाकाम रहे हैं।सालों से पश्चिम ईरान में इस्लामवादियों के नेतृत्व वाले शासन को बदलने की बहुत कोशिश करता रहा है। इस्लाम विरोधी और शिया विरोधी रुख को बढ़ावा देने के लिए इसने देश में लोकतंत्र की कमी, महिलाओं पर जुल्म, सामाजिक ठहराव और आर्थिक गिरावट पर चिंता जताई। लेकिन असली वजह हमेशा से यही रही है कि ईरान के तेल और खनिज संपदा को कैसे नियंत्रित किया जाए और देश को पूंजीवादी सोच के आगे कैसे झुकाया जाए। अभी का अमेरिकी–इजरायली दखल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, दोनों के एक बयानबाजी वाले अभियान की वजह से हुआ, जिसमें ईरानियों से श्उठनेश की अपील की गई। अयातुल्ला अली खामेनेई और दूसरे बड़े ईरानी अधिकारियों की हत्या को गठबंधन की एक बड़ी कामयाबी के तौर पर मनाया गया।जर्मनी के फिलिप्स–यूनिवर्सिटेटमारबर्ग में मध्य पूर्व के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर मोहम्मद रजा फरजानेगन का मानना है कि यह यकीनन नहीं कहा जा सकता कि एक केन्द्रीय नेता को हटाने से श्छोटी और अहम रुकावटश आएगी और उसके बाद आसानी से बदलाव होगा। असल में, अयातुल्ला खामेनेई के बाद ईरान शायद वैसा बिल्कुल न हो जैसा दखल देने वाले चाहते हैं। अगर हम मध्य पूर्व को और बड़े पैमाने पर देखें, तो हम तीन ऐसे देश पहचान पाएंगे, जहां सरकार बदलने में बाहरी दखल से आसानी से बदलाव और स्थिरता नहीं आई है। इराक, सीरिया और लीबिया में सिर्फ अफरा–तफरी देखी गई है, स्थिरता नहीं। जबकि इस इलाके का चौथा देश, जिसके बारे में सबसे ज़्यादा नकारात्मक आशंकाएं जताई जा रही थीं, इन बातों को गलत साबित करने में कामयाब रहा है, और ऐसा लगता है कि तालिबान ने देश में अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया है।2003 में अमेरिकी हमले के बाद इराक में कई बगावतें और सिविल वॉर हुए हैंय और लोकतंत्र लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश अभी भी 2003 से पहले वाली स्थिरता पर नहीं लौट पाया है। 2011 में नाटो के दखल के बाद लीबिया के टूटने से कोई साफ सुधार नहीं दिख रहा है। देश शासन के दो केन्द्रों –त्रिपोली और बेंगाजी –के बीच बंटा हुआ है। अलअसद को हराने वाले के गिरने और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर अलशरा के आने के बाद सीरिया लोगों के लिए कोई नई वेलफेयर सरकार नहीं बना पाया है, बल्कि अमेरिकी प्रशासन ने अलशरा को सहारा दिया है। लेकिन ईरान का मामला इन देशों से कई तरह से अलग है। इसके अलावा, अयातुल्ला खामेनेई की हत्या का गहरा असर हो सकता है, जिसके कारण देश का पतन नहीं हो सकता है।शिया इस्लाम

के प्रतीकात्मक संसार में, जिससे ज़्यादातर ईरानी जुड़े हुए हैं, खामेनेई की मौत को एक शहीदी पटकथा के पूरा होने के तौर पर देखा जा सकता है। इस्लाम के कहे जाने वाले दुश्मनों के हाथों मौत को हार के बजाय मुक्ति का रास्ता माना जा सकता हैय यह कोई कड़वा पतन नहीं है, जैसा कि मध्य पूर्व के दूसरे शासकों के साथ हुआ जिन्हें हटा दिया गया या मार दिया गया। इसके बजाय यह एक आदर्श अंत हैरू बलिदान के जरिए राजनीतिक जिंदगी को पवित्र बनाना, प्रोफेसर फरजानेगन कहते हैं। ईरान के लिए, अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक एकता और भौगोलिक अखंडता को बनाए रखा जा सकता है। इसे हासिल करना मुख्य रूप से डीप स्टेट के बने रहने पर निर्भर करता है, जो देश की वित्तीय और जरूरी सेवाओं को प्रबंधित करने वाली मजबूत असैन्य अधिकारी तंत्र और प्रौद्योगिकी वर्ग है। इसके अलावा, प्रोफेसर फरजानेगन का मानना है कि इलाके की अखंडता रेगुलर आर्मी (आर्टेश) और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के बीच लगातार एकता पर निर्भर करती है। लेकिन यहां आलोचक यह भूल जाते हैं कि ईरान में औसत मध्य पूर्व देश की तुलना में जातीय और भाषाई विविधता का लेवल ज़्यादा है। केन्द्रीय अथॉरिटी की गैर–मौजूदगी में, और सुरक्षा नेतृत्व के मौजूदा लक्ष्य के साथ, राज्य के टूटने और अलग–अलग लड़ाकू संगठनों के उभरने के खतरे को कम नहीं आंका जाना चाहिए।सबसे बुरे हालात में, अंदरूनी उथल–पुथल मौजूदा शिकायतों की वजह से होने की संभावना है। सीमावर्ती इलाकों में, बलूच, कुर्द और अरब आबादी के बीच लंबे समय से चल रहे विद्रोह केन्द्रीय नियंत्रण कम होने पर बड़े पैमाने पर अलगाववादी झगड़ों में बदल सकते हैं। हाल के हफ्तों में, ईरान में विदेशी सैन्य दखल को सही ठहराने के लिए कुछ लोगों ने यह कहावत कही है कि श्एक कड़वा अंत, कभी न खत्म होने वाली कड़वाहट से बेहतर हैश। ऐसी सोच इस विश्वास पर टिकी हुई लगती है कि सैन्य तरीकों से जल्दी हल निकाला जा सकता है। ईरान के लोगों के लिए किसी सरकार का श्कड़वा अंतश शायद उनकी तकलीफ का आखिरी काम न हो, बल्कि श्कभी न खत्म होने वाली कड़वाहटश के एक नए, मजबूती से जमे हुए दौर का पहला पाठ हो सकता है, जो आने वाले कई दशकों तक इस इलाके को परेशान कर सकता है। जहां तक ईरान में ज़्यादातर शिया और कम संख्या वाले सुन्नियों के बीच दिख रही दरारों का सवाल है, तो यह भी मुमकिन नहीं लगता। हाल ही में 5 मार्च को, ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान में सैकड़ों सुन्नी विद्वानों ने जायोनी संगठन और उसके समर्थकों के खिलाफ जिहाद का ऐलान किया, और साथ ही मौजूदा तनाव के बीच ईरान की सेना का समर्थन भी किया। ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में 660 सुन्नी विद्वानों के एक ग्रुप ने एक बयान जारी।

संसद के दूसरे चरण में सरकार की मुश्किल

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरु हुआ और पहले दिन ही मोदी सरकार विपक्ष के सवालों से बुरी तरह घिर गई। इस बात का अनुमान पहले से था कि सत्र के पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी सरकार को कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा और यह अंदाज भी था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर खुद सामने न आकर अपने मंत्रियों को आगे करेंगे। ऐसा ही हुआ भी। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे युद्ध और इस वजह से मध्यपूर्व में आए अभूतपूर्व संकट पर बयान दिए। लेकिन इस बयान में एक चयनित रूझान दिखा। सरकार ने केवल उन्हीं मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें उसे सुविधा हो, और असुविधाजनक बातों को बड़ी चतुराई से किनारे कर दिया गया। जैसे हजारों बरसों से जिस ईरान के साथ भारत के संबंध रहे हैं, उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर संवेदना का एक लफ्ज सरकार ने सदन में नहीं कहा, हालांकि खामेनेई की मौत के छह दिन बाद जाकर विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक संदेश लिखा। ईरान पर हमले की निंदा भारत सरकार ने नहीं की। हिंद महासागर में जिस ईरानी युद्धपोत पर हमला कर अमेरिका ने सौ से ज्यादा नौसैनिकों की जान ले ली, उस पर भी भारत सरकार ने ऐतराज नहीं जताया, जबकि ये नौसैनिक भारत के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास से लौट रहे थे। अमेरिका और इजरायल ने भारतीय मेहमानों की जान ली और मोदी सरकार इस पर भी चुप रही, इससे ज्यादा शर्मनाक बात नहीं हो सकती।कायदे से सरकार को ईरान युद्ध और उसके प्रभाव की पूरी तस्वीर संसद में पेश करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने आधी–अधूरी बात की और उस पर तुर्रा यह कि विपक्ष सवाल पूछे तो उसे गैरजिम्मेदाराना कहा जाए। बता दें कि विपक्ष ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में युद्ध और उसके समेकित प्रभाव से जुड़े सवाल सरकार से पूछने की मांग की, मगर इस मांग को लगातार नकारा गया, नतीजा यह हुआ कि राज्यसभा से विपक्ष ने बहिर्गमन किया। इसके लिए भी सरकार ने विपक्ष को ही दोषी ठहराया। इससे पहले जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी तो सत्ता पक्ष की तरफ से लगातार हल्ला किया गया। हालांकि फिर भी खड़गे जी ने मांग रखी कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उभरती चुनौतियों पर अल्पकालिक चर्चा हो। उन्होंने कहा, श्यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैय इसने अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और देश की छवि को प्रभावित किया है। इस संघर्ष के परिणाम हमारी आर्थिक स्थिरता पर भी असर डालेंगे।श उन्होंने खाना बनाने के गैस की कीमतों में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव का जिक्र किया।यही बातें लोकसभा में भी विपक्ष उठाना चाह रहा था लेकिन उसे अनुमति नहीं मिली। जबकि यह हकीकत है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला और उस पर ईरान के पलटवार का खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं भारत भी उठा रहा है। इस इलाके में कम से कम एक करोड़ भारतीय रहते हैं, जिसमें अभी 67 हजार ही वापस आए हैं। बेशक भारत सरकार ने इनके लिए एडवायजरी जारी की है और इन्हें सुरक्षित मार्ग से वापस लाने पर मंथन हो रहा है। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि उन्हें पहले से क्यों नहीं निकाला जा सका। क्यों हमारी खुफिया एजेंसियों को यह भनक नहीं लगी कि इजरायल और अमेरिका ऐसा कोई हमला बोलने जा रहे हैं। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि ईरान पर हमले से केवल दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी इजरायल में थे। ऐसे में खुफिया एजेंसियों को और सतर्क होकर काम करना चाहिए था। लेकिन पुलवामा और पहलगाम की तरह यह भी बड़ी खुफिया नाकामी है।भारत के लिए परेशानी की बात यह भी है कि ईरान युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर ईंधन का जो संकट खड़ा हुआ है, उससे सरकार कैसे निपटेगी, इसका जवाब भी नहीं दिया जा रहा है। सोमवार को ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें एक ही दिन में 25 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 115–118 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं। इसे हाल के वर्षों में सबसे बड़ी दैनिक बढ़ोतरी में से एक माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि युद्ध लंबा चला तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच सकती हैं। इस बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी कमजोर होकर करीब 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक फिसल गया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में हर एक डॉलर की बढ़ोतरी से भारत का वार्षिक आयात बिल लगभग 1.5 से 2 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। अगर कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं तो इसका सीधा असर देश के व्यापार घाटे और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेज उछाल और वैश्विक अनिश्चितता का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखा गया। निवेशकों की चिंता के कारण बाजार में तेज बिकवाली हुई और प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। विशेष रूप से एयरलाइन, परिवहन, केमिकल और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के शेयरों पर अधिक दबाव देखा गया, क्योंकि इन क्षेत्रों की लागत का बड़ा हिस्सा ईंधन पर निर्भर होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मध्य–पूर्व का संकट लंबे समय तक बना रहता है तो भारत सरकार को महंगाई और रुपये को स्थिर रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने पड़ सकते हैं। इसमें रणनीतिक तेल भंडार का उपयोग, सस्ते स्रोतों से आयात बढ़ाना और आर्थिक नीतिगत हस्तक्षेप शामिल हो सकते हैं। सरकार इनमें से कौन सा कदम उठाएगी, यह पता नहीं। एक बड़ी समस्या यह भी है कि महंगाई के साथ–साथ बेरोजगारी भी बढ़ने की आशंका है। युद्ध लंबा चला और खाड़ी देशों से भारतीय वापस लौटे तो यहां उनके रोजगार की व्यवस्था कैसे होगी। ऐसे कई वास्तविक सवाल हैं, जिनकी चर्चा सदन में शांति से होती तो जनता को भी आश्वस्ति मिलती। लेकिन प्रधानमंत्री सदन में आए नहीं और विदेश मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। अगर ऐसा है तो कम से कम यही बता देते कि करीब की नजर में उन्हें क्या दिखा और क्या वो इसके बाद दूरदृष्टिपूर्ण फैसला लेंगे। लेकिन मोदीजी तो चुप हैं।

गैर इरादतन हत्या में दो भाइयों समेत तीन दोषियों को तीन–तीन साल की कैद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में रामपुर थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते हुई गैर इरादतन हत्या के मामले में जिला जज सुशील कुमार शशि की अदालत ने गुरुवार को तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन–तीन वर्ष के कारावास और 76,500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने आदेश दिया कि जुर्माने की राशि में से 65,000 रुपये मृतक की पत्नी सुदामा देवी को दिए जाएं। अदालत ने इस मामले में परमजीत सिंह, जगदीश सिंह और वसीम रहमान को दोषी पाया। जबकि मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक अन्य आरोपी वीरेंद्र बहादुर सिंह की मृत्यु हो चुकी है। मामले के अनुसार, वादिनी सुदामा देवी ने रामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2019 की रात करीब 10 बजे उनके पति रामवचन सिंह घर के बाहर अलाव ताप रहे थे। उसी समय पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी वीरेंद्र बहादुर सिंह, परमजीत सिंह, जगदीश सिंह और वसीम रहमान लाठी–डंडा और तलवार लेकर उनके दरवाजे पर आ पहुंचे और रामवचन पर हमला कर दिया। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल रामवचन को इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले की विवेचना कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान सरकारी अधिवक्ता लाल बहादुर पाल और विनीत शुक्ला ने गवाहों के बयान और साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

काजल मौर्या हत्याकांड में दोषी को उम्रकैद, 10 हजार रुपए जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर में महाराजगंज थाना क्षेत्र के डेल्हूपुर गांव में काजल मौर्या की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम अनिल कुमार यादव की अदालत ने गुरुवार को आरोपी धर्मेंद्र मौर्य को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को अवैध हथियार रखने के मामले में आर्म्स एक्ट के तहत एक वर्ष के कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माने से भी दंडित किया। जुर्माना अदा न करने पर आरोपी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अभियोजन के अनुसार, सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के मल्लूपुर गांव निवासी कुलदीप मौर्य ने महाराजगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री काजल मौर्या अपने मामा फतेह बहादुर के घर ग्राम डेल्हूपुर, महाराजगंज गई हुई थी। 9 फरवरी 2021 को दोपहर करीब 1रू30 बजे धर्मेंद्र मौर्य निवासी रतासी, सिंगरामऊ वहां पहुंचा। बताया गया कि जब काजल रसोई में खाना निकालने गई, तभी धर्मेंद्र वहां पहुंचा और उसे गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर काजल के मामा और अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो काजल गंभीर हालत में तड़प रही थी। धर्मेंद्र ने उस समय लोगों को बताया कि काजल का पेट फट गया है। घायल काजल को तत्काल सरकारी अस्पताल बदलापुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान गोली लगने की पुष्टि की, जिसके बाद धर्मेंद्र मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद डॉक्टरों ने काजल को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने 13 फरवरी 2021 को आरोपी धर्मेंद्र को बैहारी पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ। विवेचना के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने धर्मेंद्र मौर्य को दोषी पाते हुए उसे उम्रकैद सहित अन्य सजाएं सुनाईं।

संजीव कोठारी बने `ऑनरेरी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में उद्योग और अकादमिक जगत के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अहमदाबाद, गुजरात के उद्योग जगत के विशेषज्ञ श्री संजीव कोठारी को विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग में ऑनरेरी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति स्क्रीनिंग सह चयन समिति की संस्तुति तथा कार्यपरिषद के 24 फरवरी 2026 को आयोजित बैठक में अनुमोदन के बाद की गई है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस से संबंधित दिशा–निर्देशों के अनुरूप की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से उद्योग जगत के विशेषज्ञों का अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों तक पहुंचेगा, जिससे उनके शिक्षण–अधिगम की प्रक्रिया और अधिक समृद्ध होगी तथा अकादमिक जगत और उद्योग के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सकेगा। नियुक्ति की शर्तों के अनुसार श्री संजीव कोठारी का कार्यकाल एक वर्ष का है। उन्हें आदेश जारी होने की तिथि से एक माह के भीतर कार्यभार ग्रहण करना होगा। संजीव कोठारी ने विश्वविद्यालय से कोई भी पारिश्रमिक नहीं लेने पर अपनी सहमति दी है उन्होंने कहा कि उनकी यह सेवा पूर्वांचल के विकास के लिए समर्पित है। विदित है कि संजीव कोठारी पूर्व में अदानी ग्रुप में टेक्नो हेड के पद पर कार्यरत रहे हैं साथ ही अदानी ग्रीन एनर्जी तथा विश्व की बड़ी कोयले की खदान (कार माइकल) ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। कुलपति प्रो वंदना सिंह ने उम्मीद जताई है कि संजीव कोठारी के अनुभव और विशेषज्ञता से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं और व्यावहारिक पक्षों को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी पेशेवर क्षमता और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि होगी।

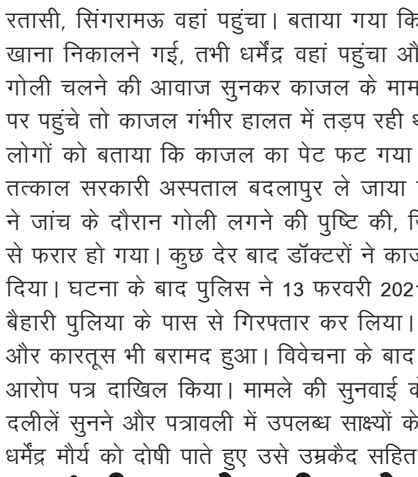

एमार इंडिया ने `एलीट ओएसिस' परियोजना के लिए भूमिपूजन किया, लखनऊ की स्काईलाइन को मिलेगा नया रूप

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व–प्रसिद्ध रियल एस्टेट ब्रांड एमार की भारतीय इकाई एमार इंडिया ने लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन में अपनी पहली प्रीमियम हाई–राइज आवासीय परियोजना 'एलीट ओएसिस' के लिए भूमिपूजन समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम के साथ ही इस लैंडमार्क प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। इस समारोह में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना से जुड़े साझेदार और अन्य प्रमुख लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजा–अर्चना और शुभ अनुष्ठानों के साथ की गई। लगभग 2.923 एकड़ (11,827 वर्ग मीटर) क्षेत्र में फैला एलीट ओएसिस लखनऊ की सबसे ऊंची आवासीय इमारतों में से एक होगा। इसमें ग्राउंड के साथ 35 मंजिलों वाला टावर बनेगा, जिसमें कुल 194 लग्जरी आवास होंगे। इनमें 3बीएचके के साथ में यूटिलिटी एरिया और 4बीएचके के साथ यूटिलिटी एरिया जैसे प्रीमियम घर शामिल हैं। इस परियोजना को एक ही चरण में लॉन्च किया गया है और इसके 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट लखनऊ की स्काईलाइन को एक नई पहचान देने के लिए तैयार है। गोमती नगर एक्सटेंशन में अमर शहीद पथ के पास स्थित यह परियोजना शहर के अलग–अलग हिस्सों से अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करती है। यह एयरपोर्ट से करीब 17.7 किमी और गोमती नगर रेलवे स्टेशन से लगभग 10 किमी दूर है। इसके आसपास मेदांता अस्पताल, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर संस्थान, और जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, सेठ एमआर जैपुरिया स्कूल, लोरेटो कॉन्वेंट, सेंट फ्रांसिस स्कूल, ला मार्टिनियर कॉलेज जैसे प्रमुख स्कूल मौजूद हैं। इसके अलावा एकाना स्टेडियम, पलासियो मॉल और लुलु मॉल जैसे लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन भी पास ही हैं। इस अवसर पर, एमार इंडिया के सीईओ, श्री कल्याण चक्रवर्ती ने कहा, "एलीट ओएसिस का भूमिपूजन लखनऊ में एमार इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना के जरिए हमारा उद्देश्य शहर में हाई–राइज विकास और विश्व–स्तरीय आवासीय अनुभव लाना है। यहां रहने वाले लोगों को सोच–समझकर तैयार डिजाइन, बेहतर गुणवत्ता और प्रीमियम सुविधाओं के साथ एक आधुनिक जीवनशैली मिलेगी। लखनऊ तेजी से देश के प्रमुख आवासीय बाजारों में उभर रहा है और यह परियोजना शहर में आधुनिक आवासीय समुदायों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी।" उन्होंने आगे कहा कि बेहतर प्रशासन और स्थिर शासन ने लखनऊ को रहने और निवेश के लिए और अधिक आकर्षक बना दिया है, जिससे यह देश के तेजी से उभरते आवासीय शहरों में शामिल हो गया है।

एलीट ओएसिस को सेंट्रल पोडियम आर्किटेक्चर के साथ डिजाइन किया गया है। इसमें क्लब हाउस और अन्य प्रमुख सुविधाएं पोडियम स्तर पर बनाई जाएंगी, जिससे निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और वाहनों की आवाजाही से होने वाली असुविधा से भी बचाव रहेगा। इस परियोजना में ऐसी सुविधाएं दी गई हैं जो एक प्रीमियम कम्युनिटी में रहने का अनुभव देती हैं। साथ ही इसे सस्टेनेबिलिटी को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। विश्व–स्तरीय सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ यह प्रोजेक्ट लोगों को एक उन्नत और आरामदायक जीवनशैली का अनुभव देने का अवसर प्रदान करेगा।

'स्टडी हॉल कॉलेज ने रेड ब्रिगेड के साथ किया तीन दिवसीय सेल्फ-डिफेंस प्रशिक्षण का आयोजन'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल कॉलेज ने अपनी छात्राओं के लिए रेड ब्रिगेड लखनऊ टीम के सहयोग से एक विशेष सेल्फ–डिफेंस प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। यह पहल "सेफ वूमेन, स्ट्रॉन्ग नेशन" थीम के अंतर्गत की गई, जिसका उद्देश्य छात्राओं को आवश्यक सुरक्षा कौशल से सुसज्जित करना और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने के लिए उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है। इस सत्र की शुरुआत 12 मार्च को आयोजित डेमोंस्ट्रेशन क्लास में रेड ब्रिगेड के प्रशिक्षकों ने छात्राओं को आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीकों से परिचित कराया और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए जागरूकता, साहस और तैयारी के महत्व पर प्रकाश डाला। 13 मार्च को व्यावहारिक अभ्यास सत्र आयोजित किए गए, जबकि 14 मार्च को मॉक ड्रिल के माध्यम से छात्राओं को सीखी गई तकनीकों को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने का अवसर मिला। यह कार्यक्रम देशभर में महिलाओं को सशक्त बनाने के व्यापक मिशन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मरक्षा तकनीकों के प्रति जागरूकता फैलाना है। ऊषा विश्वकर्मा द्वारा 2011 में स्थापित रेड ब्रिगेड एक सर्वाइवर–नेतृत्व वाला संगठन है, जो महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए कार्य करता है तथा 'निशस्त्र कला' तकनीक के माध्यम से हजारों किशोरियों और युवतियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुका है। इस पहल के माध्यम से स्टडी हॉल कॉलेज ने महिला सशक्तिकरण और छात्रों के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ किया, तथा छात्राओं को आत्मविश्वासी, जागरूक और आत्मरक्षा में सक्षम बनने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे एक सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान दे सकें। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध, स्टडी हॉल कॉलेज शहर के प्रमुख डिग्री कॉलेजों में से एक है, जो पत्रकारिता और जनसंचार (बीए–जेएमसी), कॉमर्स (बी–कॉम), बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) में स्नातक डिग्री प्रदान करता है। स्टडी हॉल कॉलेज लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, व्यक्तिगत उत्कर्ष और सक्रिय लोकतान्त्रिक नागरिकता की भावना का विस्तार करने का प्रयास करता है।

बैरिस्टर शिवदयाल चौरसिया देश में लोक अदालत के जनक थे : राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या की अध्यक्षता में समाजवादी पार्टी ने पूर्व राज्यसभा सांसद शिवदयाल चौरसिया की जयंती समारोह पूर्वक मनाई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टी जनों ने शिवदयाल चौरसिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनके जीवन दर्शन पर चर्चा करते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने बताया कि बैरिस्टर शिवदयाल चौरसिया देश में लोक अदालत के जनक थे। वे पिछड़ा वर्ग आयोग (काका कालेलकर आयोग) के भी सदस्य रहे। शिवदयाल चौरसिया का जन्म 13 मार्च 1903 को लखनऊ में हुआ था। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने लखनऊ लोअर कोर्ट, हाईकोर्ट, बिहार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ विद्वान अधिवक्ता के रूप में कार्य किया।उन्होंने सामाजिक असमानता, छुआछूत और पिछड़ेपन के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उन्हें पिछड़े वर्ग आंदोलन का एक मजबूत हस्ताक्षर माना जाता है। वे सदैव शोषितों, वंचितों, पिछड़ें और दलितों के हक–अधिकारों के लिए जीवन पर्यंत संघर्षशील रहे। आज ऐसे महापुरुष को समाजवादी पार्टी जौनपुर नमन करती है और उनके पदचिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लेती है। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। गोष्ठी को जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा और पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव लाल मोहम्मद राईनी ने संबोधित किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप यादव नेपाल, वरिष्ठ नेता रूखसार अहमद, दीपक विश्वकर्मा, आनंद गुप्ता, धीरज बिंद, किशन यादव छात्र नेता, रविन्द्र मौर्य, अमजद अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

'गोमती नगर जन कल्याण महासमिति' 'द्वारा रक्षा मंत्री जी को' 'आभार' 'व्यक्त 'किया गया'

गोमतीनगर जनकल्याण समिति लखनऊ द्वारा भारत के यशस्वी रक्षा मंत्री 'माननीय रक्षा मंत्री'' 'राजनाथ सिंह जी को निरंतर विकास कार्य कराए जाने हेतु आभार व्यक्त' 'किया गया' ।महासमिति द्वारा रक्षा मंत्री जी को पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।उक्त अवसर पर 'महासमिति की' 'स्मारिका का विमोचन भी माननीय' ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह' 'जी द्वारा' 'किया गया' महासमिति द्वारा रक्षा मंत्री जी को पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।उक्त अवसर पर 'महासमिति की' 'स्मारिका का विमोचन भी माननीय' 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह' 'जी' 'द्वारा किया गया' ।सम्मानित करने वालों में महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह, महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर, संजय निगम, कोषाध्यक्ष पी आर पांडे, संगठन मंत्री अभिनव शुक्ला, सांस्कृतिक मंत्री आर डी मौर्य, कार्यालय प्रभारी रवि तोमर,महिला प्रभारी नंदिनी सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे रक्षा मंत्री जी ने महा समिति को जनहित में विकास कार्य कराए जाने हेतु प्रसन्नता व्यक्त की तथा आवाहन किया कि महासमिति सदैव जनहित में कार्य करती रहेगी। |सम्मानित करने वालों में महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह, महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर, संजय निगम, कोषाध्यक्ष पी आर पांडे, संगठन मंत्री अभिनव शुक्ला, सांस्कृतिक मंत्री आर डी मौर्य, कार्यालय प्रभारी रवि तोमर, प्रचार सचिव अजय तिवारी, बाबू सिंह सिसोदिया,महिला प्रभारी नंदिनी सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे रक्षा मंत्री जी ने महा समिति को जनहित में विकास कार्य कराए जाने हेतु प्रसन्नता व्यक्त की तथा आवाहन किया कि महासमिति सदैव जनहित में कार्य करती रहेगी।

जौनपुर अयोध्या मार्ग पर पानी बहने से दुर्घटना बढी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जौनपुर अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुत्तूपुर के पास एक वाहन एजेंसी द्वारा सड़क पर लगातार पानी बहाने से दुर्घटनाएं बढ़ गई थी। जिसको लेकर समाजसेवी ने मुख्यमंत्री से शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने सबको सड़क पर पानी न बहाने निर्देश दिया। जिससे एजेंसी में वाहनों की धुलाई बंद हो गई। जौनपुर अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर कुत्तुपुर के पास स्थित वाहन एजेंसी के सामने महीनो से लगातार वाहनो के धुलाई का पानी बहाया जा रहा था। जिससे बड़े–बड़े गड्ढे हो गए। सड़के उखड़ गई और आए दिन वाहन दुर्घटना होने लगी। अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं को समस्याओं का सामना करना पड़ा। जिसको

गंभीरता से लेते हुए एडवोकेट समाजसेवी अजय कृष्ण यादव बबलू सारंग निवासी जर्रो मल्हनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य को पत्र के माध्यम से शिकायत की। इसके अलावा उन्होंने कई जिम्मेदार विभागों से और आईजीआरएस के माध्यम से जानकारी मांगी, कि किस अधिकार से अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार पानी बहाया जा रहा है। जिससे अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है , आए दिन दुर्घटनाएं बढी हैं ,क्यों न सब दुर्घटना पीडितो को मुआवजा दिया जाए। इस मामले को मुख्यमंत्री कार्यालय ने गंभीरता से लिया और जिला मुख्यालय पर उन्होंने इसके पानी को तत्काल रोकने का निर्देश दिया।जिसके क्रम में शुक्रवार को पुलिस ने पहुंचकर एजेंसी के द्वारा वाहनों की धुलाई को तत्काल रोकने का निर्देश दिया और कहा कि सड़कों पर पानी न बहाए जाए। इस बारे में थानाध्यक्ष अमरेंद्र पांडेय ने कहा कि सड़क पर पानी वाले बहाने वालों को सख्त हिदायत दी है कि रोड पर कोई पानी न बहाये। अतिक्रमण न करें। अन्यथा उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है । उन्होंने कहा कि सड़क पर पानी बहाने अतिक्रमण करने वाले कुत्तुपुर से सिद्धीकपुर तक सभी को रोक लगाने की हिदायत दी गई है।

सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्तकराने के लिए प्रशासन ने एंटी भू-माफिया टीम को किया अलर्ट : अजय अंबष्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,12 मार्च । यूपी के जौनपुर में अब ग्रामीण क्षेत्रों की तरह शहरी इलाकों में भी सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने एंटी भू–माफिया टीम को अलर्ट कर दिया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) और मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) अजय कुमार अंबष्ट ने विभिन्न विभागों से अतिक्रमण वाली भूमि का विस्तृत ब्योरा मांगा है। नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भी सरकारी भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे की शिकायतें सामने आई हैं। प्रशासन इन कब्जों को हटाने के लिए व्यापक कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। नए नियम लागू होने के बाद शहरी क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है।अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी (ईओ) भी अतिक्रमण से संबंधित शिकायत सीधे एंटी भू–माफिया टीम को भेज सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल सरकारी ही नहीं, बल्कि निजी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। आम नागरिक एंटी भू–माफिया पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासन स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। सीआरओ अजय कुमार अंबष्ट ने बताया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सरकारी व निजी भूमि पर अवैध कब्जे करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिकायत मिलने पर जांच के बाद आरोपियों पर एंटी भू–माफिया कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जनसेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए गुरुवार रात मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, नगदी, मोबाइल फोन और अवैध असलहे बरामद किए गए हैं। इस संबंध में शुक्रवार को जानकारी देते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में ,जफराबाद, गौराबादशाहपुर और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। गोसाईपुर गांव निवासी जनसेवा केंद्र संचालक प्रेमचंद यादव को 11 मार्च की रात अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल और बैग में रखा पैसा लूट लिया था। इस मामले में उनकी पत्नी निशा देवी की तहरीर पर थाना जफराबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए तीन टीम लगाई गई थी पुलिस टीम रात में बेलवा घाट के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर बेलाव पुल के पास घेराबंदी की गई। तभी मोटरसाइकिल से तीन संदिग्ध आते दिखे। पुलिस के रुकने के इशारे पर बदमाश भागने लगे और भागते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार सिंह के हाथ में गोली लग गई, जबकि थानाध्यक्ष की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी। पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई में की गई फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वो घायल हो गया और पुलिस ने मौके से

तीनों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में आदर्श यादव , दिवाकर कुमार और अमन यादव शामिल हैं। इनके कब्जे से एक पिस्टल, एक तमंचा, कारतूस, लूट के 27 हजार रुपये, लूटी गई मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इस मामले में अन्य विधिक कार्रवाई कर रही है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था मे अलविदा जुमा की नमाज सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में अलविदा जुमा की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की गई। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया, अयोध्या शहर की टाट शाह मस्जिद में शहर इमाम मौलाना समसुल कादरी के नेतृत्व में नमाज पढ़ी गई।बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज में भाग लिया,नमाज के दौरान दुनिया में अमन और शांति के लिए दुआ मांगी गई। ईरान–अमेरिका के बीच तनाव को लेकर युद्ध समाप्त होने की भी दुआ की गई। शहर इमाम ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने देश में आजादी और सलामती से रहने का हक है। उन्होंने कहा कि भारत अमन, भाईचारे और सौहार्द का देश है, जहां सभी को अपने त्योहार मनाने की आजादी है। शहर इमाम ने बेहतर व्यवस्था के लिए अयोध्या जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया, चांद दिखने के आधार पर ईद की तारीख तय होग। गुरुवार को चांद दिखा तो जुम्मे के दिन ईद, नहीं दिखा तो शनिवार को ईद मनाई जाएगी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति न होने से होटल व रेस्टोरेंट संचालक परेशान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कमर्शियल गैस सिलेंडर न मिलने के चलते शहर के कई बड़े होटल रेस्टोरेंट, ढाबों के संचालक काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं।बताते चले कि सिविल लाइंस के होटल शाने अवध, होटल तिरुपति और अवंतिका रेस्टोरेंट व अन्य ने विकल्प तलाशना शुरू किया।गैस की कमी के कारण भोजन बनाने के लिए पारंपरिक और वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया जा रहा है।कई होटलों में लकड़ी के चूल्हे और मिट्टी के पारंपरिक चूल्हे फिर से इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं।कुछ स्थानों पर कोयले की भट्टी बनाकर भोजन तैयार किया जा रहा है।बड़े होटलों में बिजली से चलने वाले इंडक्शन चूल्हों का भी उपयोग शुरू हो गया है।श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण होटल–रेस्टोरेंट पर भोजन व्यवस्था का दबाव बढ़ा।होटल स्टाफ की बड़ी संख्या के लिए भी भोजन बनाना चुनौती बन गया है। वैकल्पिक साधनों से किसी तरह नाश्ता और खाना तैयार किया जा रहा है।होटल संचालकों ने सरकार से जल्द कमर्शियल गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

स्कूल से लौट रहे छात्र की पिटाई,एफआईआर दर्ज

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या । खंडासा के विसाही गांव में स्कूल से लौट रहे छात्र की पिटाई किए जाने पर पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद व दो अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है।गांव निवासी नकछेद ने दस मार्च को दर्ज करायें गए एफआईआर में आरोप लगाया है कि उनका लड़का ईसान्त नौ मार्च को स्कूल से पैदल लौट रहा था, जैसे ही गांव की सड़क पर पहुंचा कुरावन पूरे दवन मिश्र निवासी आसुतोष व अनुभव अपने दो अज्ञात साथियों के साथ मोटरसाइकिल से आए और भद्दी भद्दी गालियां देते हुए लात घूंसे और डंडे से मारने लगे गुहार सुनकर कुछ लोग दौड़े तो जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

रेल महकमा जल्द ही रेल महकमा गोसाईगंज स्टेशन पर शुरू करेगा ट्रेन इंक्वायरी एवं प्लेटफॉर्म कोच डिस्प्ले

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।अगर सब कुछ ठीक–ठाक रहा तो आने वाले समय मे गोशाईगंज रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को एक और सुबिधा मिलनी शुरू हो जाएगी! ट्रेनों पर चढ़ने उतरने के लिए अब उन्हें न तो उन्हें भागमभाग करना पड़ेगा और न ही अपना कोच ढूढ़ने मे परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।स्टेशन पर यात्रियों को इंक्वायरी डिस्प्ले के साथ साथ कोच डिस्प्ले की सुविधा भी मिलनी शुरू हो जाएगी, जिससे उनका सफर अव और आसान होगा!ऐसा गोशाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि0) की अध्यक्ष आरती जायसवाल के अथक प्रयास से संभव होने वाला है!सभासद श्रीमती जयसवाल की मांग पर उरे0 लखनऊ में तैनात वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रजनीश श्रीवास्तव ने बीते 09 जनवरी 2026 को अपने कार्यालय के के द्वारा सी0 डीसीएम एवं मंडल संकेत दूरसंचार सहित मंडल अभियंता–ट को आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्र भेज दिया है!मालूम हो कि गोसाईगंज स्टेशन पर पीएफ कोच डिस्प्लेध्ट्रेन इंक्वायरी डिस्प्ले के साथ साथ बदहाल पड़े शौचालयों व स्टैंड वॉटर पोस्टों को बहाल करने की मांग गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि0) की अध्यक्ष आरती जयसवाल ने बीते दिनों डीआरएम सुनील कुमार वर्मा सहित अन्य को पत्र देकर की थी!सभासद श्रीमती जायसवाल ने अधिकारियो को बताया था कि पूर्व सांसद एवं मौजूदा एमएलसी हरिओम पांडे के होम स्टेशन में शुमार विस0 मुख्यालय स्थित लखनऊ–बाराबंकी–जौनपुर रेलखंड स्थित गोसाईगंज स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री सियालदह,गंगा सतलज किसान दून, फरक्का, सद्भावना, कैफियत,बाराणसी –बरेली,छपरा एक्स०,आसनसोल– बहराइच एक्स०,साबरमती,मरुधर, लखनऊ–वाराणसी इंटरसिटी एक्स०, अयोध्या से शाहगंज के बीच चलने वाली मेमू सहित कई अन्य ट्रेनों से आवगमन करते है!स्टेशन पर प्लेटफॉर्म कोच डिस्प्लेध्ट्रेन इंक्वायरी डिस्प्ले न लगी होने से यात्रियों को ट्रेनों के आवागमन की पूछताछ के लिए जहां एसएम रूम तक जाना पड़ता है वही स्लीपर,जनरल तथा एसी कोचों को ढूंढने के लिए ट्रेन आने के बाद काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ होने के कारण कई बार स्थितियां इतनी जटिल हो जाती हैं कि कई यात्री निर्धारित कोच में नहीं पहुंच पाते है और उनकी ट्रेन छूट जाती है।रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में लाखों लीटर की पानी टैंक बनी है,लेकिन कांस्ट्रक्शन विभाग द्वारा हैंडओवर न किए जाने से स्टेशन परिसर एवं रेलवे कालोनियों में जलापूर्ति ठप है।प्लेटफार्मो पर लगे वॉटर स्टैंड पोस्ट से टोटियां नदारद हैं।यात्रियों को गला तर करने के लिए सील बंद बोतल खरीद कर प्यास बुझाना पड़ता है।

समाजवादी चिंतक बाबू शिवदयाल चौरसिया की जयंती पर सपा कार्यालय में आयोजित हुई गोष्ठी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। समाजवादी चिंतक एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद बाबू शिवदयाल चौरसिया की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय गुलाब बाड़ी स्थित लोहिया भवन, फैजाबाद (अयोध्या) में एक विचार गोष्ठी का आयोजन बड़े ही धूमधाम और गरिमामय माहौल में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे और बाबू शिवदयाल चौरसिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि बाबू शिवदयाल चौरसिया आजीवन समाजवादी विचारधारा के सच्चे सिपाही रहे। उन्होंने हमेशा गरीबों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनके जीवन से हमें सादगी, संघर्ष और समाज सेवा की प्रेरणा मिलती है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी कार्यकर्ताओं को उनके बताए रास्ते पर चलकर सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई को और मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन की ताकत कार्यकर्ताओं की निष्ठा और जनता के प्रति समर्पण से बढ़ती है। बाबू शिवदयाल चौरसिया का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके विचार आने वाली पीढ़ियों को भी समाज सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

इस अवसर पर लौटन राम निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि बाबू शिवदयाल चौरसिया का जीवन संघर्ष, सादगी और समाज सेवा का प्रतीक था। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाजवादी विचारधारा को मजबूत किया जा सकता है।वहीं राम सूरत चौरसिया ने कहा कि बाबू शिवदयाल चौरसिया ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को बुलंद किया। उनके आदर्श और सिद्धांत हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में छोटे लाल यादव, बाबूराम गौड़, सुरेंद्र यादव, बृजेश सिंह चौहान, मयाराम यादव, जयप्रकाश यादव, सरोज यादव, पूजा वर्मा, बसंत लाल चौरसिया, रवींद्र चौरसिया, राकेश चौरसिया, अंगद चौरसिया, मेवालाल चौरसिया, शुभम चौरसिया, सत्यम चौरसिया, जगन्नाथ चौरसिया, आकाश चौरसिया, राम उजागिर चौरसिया, श्रीचंद चौरसिया, सुमनलता चौरसिया, वंशराज चौरसिया, जगन्नाथ पाल, शत्रोहन चौरसिया, अमित चौरसिया, विजय चौरसिया, सीताराम यादव,जनकलाल वर्मा, जगजीवन पटेल, विद्याभूषण पासी, रोहित निषाद, लल्लूराम निषाद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबू शिवदयाल चौरसिया के आदर्शों को अपनाने और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

लंबी दूरी के गाड़ियों में अनिवार्य रूप से रखे जाये दो ड्राइवर –ऋतु सिंह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह द्वारा शनिवार को आरटीओ कार्यालय अयोध्या में विभिन्न ट्रांसपोटर्स, डीलर्स, वाहन स्वामियों के साथ एक बैठक की गयी। जिसमें सभी को शासन द्वारा दिये गये दिशा–निर्देशों के बारे में बताया गया व बकाया कर जमा करने, और वाहन के सभी प्रपत्र यथा– परमिट, परमिट अथराइध्जेशन, पंजीयन, बीमा, फिटनेस, अतिरिक्त कर, पीयूसी, आदि वैध कराने को कहा गया। वाहन स्वामी अपना कर घर बैठे ीजजचेरूध्ध्चंतपऔंद. हवअ.पदध् पर जा कर आन–लाइन माध्यम से कर जमा कर सकते हैं।आरटीओ द्वारा सभी को आयुक्त की अध्यक्षता में आरटीओ अयोध्या द्वारा पूर्व में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों की विस्तार से जानकारी दी गयी।लंबी दूरी के गाड़ियों में अनिवार्य रूप से 02 ड्राइवर रखें जाय।काम के घण्टे निर्धारित किये जाय क्योंकि नींद व थकान में गाड़ी चलाने से दुर्घटनाएँ अधिक होती हैं। बसों में एआईएस–052, स्लीपर बसों में एआईएस–119 व स्कूल बसों यानों में निर्धारित मानको का सख्ती से अनुपालन किया जाय।12 मीटर तक की बस में 04 इमरजेंसी दरवाजे, 12 मीटर से अधिक की स्थिति में 05 इमरजेंसी दरवाजे होने चाहिए, ड्राइवर सीट के पीछे अतिरिक्त लोहे का केबिन, स्लीपर सीटों पर शटर, इमरजेंसी द्वार के आगे या यान में अतिरिक्त सीटें स्लीपर लगवाना न सिर्फ नियमों के खिलाफ हैं वरन ऐसे वाहन स्वामी यात्रियों के जान के साथ खिलवाड़ करने के भी दोषी हैं जिसके विरूद्ध लगातार प्रवर्तन अधिकारी चेकिंग अभियान भी चला रहे हैं। अतः सभी वाहन स्वामियों को अपनी जिम्मेदारी समझकर तत्काल मूल ढाँचे से इतर ऐसे समस्त परिवर्तन तत्काल हटा लेने की अपेक्षा की जाती है। मण्डल के सभी एआरटीओ व आरआई को भी निर्देशित किया गया है कि मानक विरूद्ध वाहनों के पंजीयन और फिटनेस निरस्तधनिलंबित किये जाय व अनफिट कर बकाया वाहनों को नोटिस जारी किये जाय, आरसी का जिला प्रशासन के साथ अनुश्रवण किया जाय। कमर्शिएल लाइसेंस हेतु ड्राइविंग स्कूल द्वारा ली जानी वाली अनुमन्य फीस की जानकारी दी गयी और अनाधिकृत व्यक्तियों के चंगुल में ना फंसने की हिदायत भी दी गयी व सभी चालक सड़क सुरक्षा नियम पालन करें। व्यावसायिक वाहन में सभी वाहन स्वामी व चालक का नाम, मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित करायें, बसों में पैनिक बटन होने चाहिए व अनिवार्य रूप से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने व स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना सुनिश्वित करें। संभागीय निरीक्षक द्वारा गैंगवे की चौड़ाई व अन्य तकनीकी मानकों के बारें में विस्तार से बताया। ।आरटीओ प्रशासन की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरआई राजीव कुमार, ट्रांसपोटर्स रविन्द्र यादव, सतीश वर्मा, परिवहन निगम के प्रतिनिधि व कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहें।

बरवारी टोला सड़क निर्माण शुरू पर स्थानीय लोगों ने जताई खुशी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में वशिष्ठ कुंड वार्ड स्थित बरवारी टोला की सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गई है। बरवारी टोला की लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य रणधीर कंस्ट्रक्शन को दिया गया था। ठेकेदार द्वारा सड़क की खुदाई कर गिट्टी डालने के बाद लंबे समय तक निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ था,जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण शुरू होने पर खुशी जाहिर करते किया है।

रात भर अवैध खनन में गरज रही जेसीबी खनन अधिकारी का नही उठता फोन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। राम नगरी के अधिकतर थाना क्षेत्रों में जहाँ सरकारी कार्यो के लिए तालाबो नदियों से खनन किया जा रहा है।तो उसी की आड़ में अवैध खनन में जेसीबी वालो ने तांडव मचा रखा है। देखा जाये तो अयोध्या के तिहुरा माझा में दिन रात वैध खनन में अवैध खनन का कारोबार तेजी से चल रहा है।तो थानां कैंट के मसिनिया गाव के झील के रात में दर्जनों खननं की गाड़ियां धड़ल्ले से अवैध खनन का कारोबार चल रहा है।वही पूराकलन्दर के हल्का नम्बर 4 के रिंग रोड से महज 200 मीटर की दूरी पर अवैध खनन का कारोबार तेजी से फल फूल रहा हैऐसे में अयोध्या जिले में आये तेज तर्रार खनन अधिकारी किसी का फोन उठता ही नही न उठेगा न मिलेगी सूचना न ही करेंगे कार्यवाही।ऐसे में सवाल शासन पर भी क्या खनन अधिकारी को फोन न उठाने का कोई निर्देश दिया गया कि फोन न उठाने का और भी कुछ कारण है जो किसी को बताया नही जा सकता फिलहाल फोन उठे न उठे लेकिन खनन माफियाओं पर कार्यवाही कब होगी।वही अवैध खनन मामले में में बृहस्पतिवार की रात्रि खूनी संघर्ष हुआ है जिसमे 2 पक्षो में जबदस्त मारपीट खूनी संघर्ष की सूचना मिल रही है।

वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण समिति ने किया लोकल टोल फ्री करने की मांग

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद अयोध्या के स्थानीय निवासियों को टोल टैक्स से राहत दिलाने की मांग को लेकर माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण समिति, सोहावल जिला अयोध्या के सदस्य एडवोकेट सुधीर कुमार मिश्र की ओर से जिलाधिकारी अयोध्या को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन उपजिलाधिकारी सोहावल के माध्यम से दिया गया।ज्ञापन में बताया गया कि अयोध्या जनपद में मीठे गांव टोल प्लाजा, बीकापुर टोल प्लाजा तथा रौनाही टोल प्लाजा पर लगातार टोल टैक्स वसूला जा रहा है और स्थानीय निवासियों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही है। जबकि पड़ोसी जनपद बस्ती में स्थित टोल प्लाजा पर वहां के स्थानीय लोगों को टोल टैक्स से छूट प्रदान की गई है।समिति के सदस्य एवं अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्र ने कहा कि अयोध्या जनपद के लोगों को भी बस्ती की तर्ज पर राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि जिस प्रकार बस्ती जनपद की यूपी–51 नंबर की गाड़ियों को लोकल टोल से छूट दी गई है, उसी प्रकार अयोध्या जनपद की यूपी–42 नंबर की गाड़ियों को भी तीनों टोल प्लाजा पर टोल टैक्स से मुक्त किया जाए।समिति ने प्रशासन से स्थानीय निवासियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द उचित निर्णय लेने की मांग की है।ज्ञापन देने वालो में एडवोकेट मोहम्मद मुकीम एडवोकेट हेमन्त कुमार दुबे एडवोकेट प्रदीप कुमार पांडेय एडवोकेट पंकज कुमार मौर्य आदित्य प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर डेढ़ लाख की ठगी, पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले के नेवढ़िया थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर डेढ़ लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के बनेवरा गांव निवासी मुकेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनके मित्र विशाल के माध्यम से उनकी मुलाकात ग्राम धनेथू निवासी देवेंद्र पांडे से हुई थी। आरोप है कि देवेंद्र पांडे ने खुद को अमूल कंपनी में अच्छी पहुंच रखने वाला बताते हुए मुकेश को वाराणसी स्थित अमूल डेयरी में सुपरवाइजर पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके लिए प्रति माह 28,190 रुपये वेतन मिलने की बात भी कही गई। पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने विश्वास में लेकर गूगल पे और फोन पे के माध्यम से किस्तों में कुल एक लाख पचास हजार रुपये अपने खाते में मंगवा लिए। इसके बाद उसने अमूल डेयरी वाराणसी में सुपरवाइजर पद के नाम पर एक कथित नियुक्ति पत्र भी दे दिया और कहा कि कुछ दिनों में ज्वाइनिंग हो जाएगी। मुकेश सिंह का कहना है कि जब भी वह ज्वाइनिंग की बात करते, आरोपी टालमटोल करता रहा। संदेह होने पर वह खुद वाराणसी स्थित अमूल डेयरी पहुंचे, जहां पता चला कि कंपनी की ओर से ऐसा कोई नियुक्ति पत्र जारी ही नहीं किया गया है। इसके बाद उन्होंने आरोपी से कई बार पैसे वापस करने की मांग की, लेकिन उसने रकम लौटाने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में शुक्रवार को जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

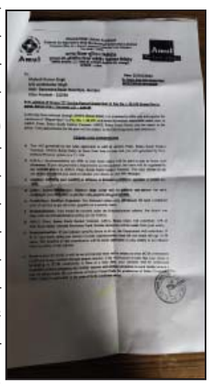

अंतरराष्ट्रीय डायबिटीज कार्यशाला को लेकर देश-विदेश के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया, उत्तर प्रदेश (आरएसएसडीआई–यूपी) की ओर से 13 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला को लेकर शुक्रवार को पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें आयोजन से जुड़ी जानकारी देते हुए वरिष्ठ चिकित्सकों ने बताया कि कार्यशाला में देश–विदेश के लगभग 1500 विशेषज्ञ चिकित्सक मधुमेह के आधुनिक इलाज और नई चिकित्सा पद्धतियों पर चर्चा करेंगे। आयोजन सचिव व वरिष्ठ मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवेंद्र सिन्हा ने बताया कि अनियमित दिनचर्या और असंतुलित खानपान के कारण युवाओं में हाइपरटेंशन और मधुमेह तेजी से बढ़ रहा है। लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी रूप में इससे प्रभावित है। ऐसे में बेहतर इलाज और बचाव के लिए इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।पत्रकार वार्ता में डॉ. के.एस. मिश्रा, डॉ. आकांक्षा वर्मा और डॉ. पीडीत्रिपाठी , डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा, डॉक्टर सौरभ जायसवाल , डॉक्टर विमलेश वर्मा ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ 14 मार्च को सुबह 9 बजे होगा और कार्यक्रम शाम 7 बजे तक चलेगा। इसमें चार प्रमुख व्याख्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नेशनल और इंटरनेशनल स्पीकर मधुमेह के इलाज, नई दवाइयों, आधुनिक तकनीकों और रोग की रोकथाम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मेडिकल के पोस्ट–ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिससे युवा चिकित्सकों को नवीनतम चिकित्सा जानकारी से अवगत कराया जा सके। उद्घाटन सत्र में शुगर की नई दवाइयों और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर भी विशेष चर्चा होगी।आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में उद्घाटन अवसर पर 14 मार्च शाम 6 बजे डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान के निदेशक डॉक्टर सीएम सिंह, , एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर दिनेश सिंह मार्तोलिया , श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय मुख्य अतिथि सहित कई प्रशासनिक और चिकित्सा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति न होने से होटल व रेस्टोरेंट संचालक ले रहे मिट्टी के चूल्हे का सहारा

अयोध्या।इस समय कमर्शियल गैस सिलेंडर न मिलने के चलते शहर के कई बड़े होटल रेस्टोरेंट, ढाबों के संचालक काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं।बताते चले कि सिविल लाइंस के होटल शाने अवध, होटल तिरुपति और अवंतिका रेस्टोरेंट व अन्य ने विकल्प तलाशना शुरू किया।गैस की कमी के कारण भोजन बनाने के लिए पारंपरिक और वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया जा रहा है।कई होटलों में लकड़ी के चूल्हे और मिट्टी के पारंपरिक चूल्हे फिर से इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं।कुछ स्थानों पर कोयले की भट्टी बनाकर भोजन तैयार किया जा रहा है।बड़े होटलों में बिजली से चलने वाले इंडक्शन चूल्हों का भी उपयोग शुरू हो गया है। देखा जाए तो रामनगरी होने के चलते श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक है।इनके बढ़ती संख्या के कारण होटल–रेस्टोरेंट पर भोजन व्यवस्था का दबाव बढ़ा।होटल स्टाफ की बड़ी संख्या के लिए भी भोजन बनाना चुनौती बन गया है।वैकल्पिक साधनों से किसी तरह नाश्ता और खाना तैयार किया जा रहा है।होटल संचालकों ने सरकार से जल्द कमर्शियल गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

अलविदा जुमे पर जौनपुर की मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़, अमन-चौन के लिए मांगी दुआ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 13 मार्च। यूपी के जौनपुर में रमजान के पवित्र महीने के आखिरी शुक्रवार अलविदा जुमे के अवसर पर जौनपुर की प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शहर की विभिन्न मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा कर देश और प्रदेश की खुशहाली, अमन–चौन तथा भाईचारे के लिए दुआ मांगी। शहर की ऐतिहासिक शाही अटाला मस्जिद में मौलाना अहमद नवाज ने नमाज–ए–जुमा अदा कराई, जबकि मौलाना आफाक ने रमजान की फजीलत बयान करते हुए कहा कि रमजान इबादत और बरकत का महीना है। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग विशेष रूप से तरावीह की नमाज अदा करते हैं, जो केवल रमजान में ही पढ़ी जाती है। शाही जामा मस्जिद (बड़ी मस्जिद) में मौलाना अबू हुरैरा ने नमाज अदा कराई और देश में अमन–चौन तथा भाईचारे की मजबूती के लिए दुआ की। वहीं मदरसा हनफिया, नवाब यूसुफ रोड स्थित मदीना मस्जिद में मौलाना अहमद रजा जाफरी ने नमाज पढ़ाई। इस अवसर पर मौलाना कयामुद्दीन ने कहा कि रमजान का महीना इबादत के साथ–साथ गुनाहों से बचने और तौबा करने का भी समय है। खानकाह मस्जिद में मौलाना हाफिज मेराज ने

कहा कि रमजान गरीबों, बेसहारा लोगों और जरूरतमंदों की मदद करने का भी महीना है। इसके अलावा शाही किला मस्जिद, शाही झंझरी मस्जिद, शाही लाल दरवाजा मस्जिद, लाल मस्जिद, इलाही मस्जिद उर्दू बाजार, चहारसू मस्जिद, कचहरी मस्जिद, मीरपुर मस्जिद और मियांपुर मस्जिद सहित शहर और आसपास की अन्य मस्जिदों में भी अलविदा जुमे की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई। अलविदा जुमे की नमाज को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। नमाज से पहले जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने शहर में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शाही पुल स्थित शिया जामा मस्जिद में मौलाना महफूजुल हसन ने नमाज अदा कराई, जहां लगभग पांच हजार नमाजियों ने नमाज अदा की। सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पूरे शहर को सेक्टर और जोन में बांटकर पुलिस बल तथा मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।